No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

05591

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) मन ना रँगाये रँगाये जोगी कपरा ।
आसन मारि मंदिर में बैठे
ब्रह्म-छाँड़ि पूजन लागे पथरा ।।
कनवा फड़ाय जटवा बढ़ौले
दाढ़ी बढ़ाय जोगी होई गैले बकरा ।
जंगल जाय जोगी धुनिया रमौले
काम जराय जोगी होय गैले हिजरा ।।
मथवा मुँड़ाय जोगी कपड़ा रंगीले,
गीता बाँच के होय गैले लबरा ।
कहहिं कबीर सुनो भाई साधो,
जम दरवाजा बाँधल जैबे पकड़ा ।।

(ख) धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहूकी बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ ।
तुलसी सरनाम गुलामु है रामको, जाको रूचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीतको सोइबो, लैबेको एकु न दैबेको दोऊ ।

(ग) चरन कमल बंदौ हरि राइ ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै अंधे कौ सब कछु दरसाइ ।।
बहिरौ सुनै गूँग पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराइ ।
सूरदास स्वामी करुनामय बार बार बंदौं तिहिँ पाइ ।।

(घ) भोर तें साँझ लौं कानन ओर निहारति बावरी नेकु न हारति ।
साँझ तें भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति ।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति ।
मोहन सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन कें उर आरति ।।

2. रासो काव्य के रूप में पृथ्वीराज रासो की काव्यगत विशेषताएँ बताइए । *10*

3. कबीर की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए । *10*

4. 'पद्मावत' में चित्रित लोक जीवन पर प्रकाश डालिए । *10*

5. मीरा के काव्य में भक्ति का कौन-सा रूप उद्घाटित हुआ है ? सोदाहरण विश्लेषण कीजिए । *10*

6. शृंगारिक कवि के रूप में बिहारी का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । *10*

7. घनानंद के प्रेम संबंधी दृष्टिकोण पर सोदाहरण विचार कीजिए । *10*